Dr. Sunil Kr. Suman
Assistant Professor (Guest)
Dept. of Psychology
D.B. College Jaynagar
L.N.M.U. Darbhanga

Study material
B.A. Part-II (H)
Paper-IV
Date-07-09-20
Next class

Behaviourism
contribution of Watson

(3) मनोविज्ञान के अभिगृहित (Postulates of Psychology):- वाटसन द्वारा अपने व्यवहारवाद में वर्णित मनोविज्ञान के लिए कुछ विशेष पूर्वकल्पनाएं (assumptions) जिन्हे अभिगृहित (Postulate) कहा जाता है, का वर्णन किया गया है। इसके मुख्य अभिगृहित्व निम्नांकित है

(i) ग्रन्थीयों स्त्रावों तथा पेशीय गतियों (muscular movement) से ही व्यवहार का निर्माण होता है और इसीलिए व्यवहार को दैहिक रासायनिक प्रक्रियाओं (Physio-chemical Process) के रूप में भी मापा जा सकता है।

(ii) अनुक्रिया तत्वों के मिलने से व्यवहार का निर्माण होता है तथा इसे उचित वैज्ञानिक विधि द्वारा विश्लेषित किया जा सकता है।

(iii) प्रत्येक प्रभावी उद्दीपक एक तात्कालिक अनुक्रिया उत्पन्न करता है। इसीलिए, व्यवहार का एक निश्चित कारण तथा परिणाम निर्धारित (cause and effect determinism) होता है।

(4). आंकड़ो की प्रकृति (Nature of Data):- वाटसन ने हमेशा वस्तुनिष्ठ आँकड़े पर बल दिया। अन्तर्निरिक्षण (introspection) द्वारा चेतन के अध्ययनों से प्राप्त आत्मनिष्ठ आंकड़ो को अस्वीकृत कर दिया। वैसे व्यवहार जो विशेष स्थान एवं समय में किए जाते हैं, तथा पेशीय

एवं ग्रन्थीय वातियों के वस्तुनिष्ठ रिपोर्ट (Objective Report) पर आधारित होते हैं, वे ही प्राथमिक या मुख्य आँकड़े हैं जिसे मनोवैज्ञानिकों द्वारा विश्लेषण किया जाना चाहिए। इन आँकड़ों की प्रवृत्ति ऐसी है कि उनका परिमाणात्मक ढंग से विश्लेषण किया जा सकता है तथा उसे अर्थ पूर्ण सामान्यीकरण (meaningful generalization) भी संभव है।

(5) सम्बन्ध का नियम (Principles of connection) :- वाटसन ने अपने व्यवहारवाद में बारम्बारता के नियम (Law of Frequency) तथा नवीनता के नियम (Law of Recency) को सम्बन्ध के नियम के रूप में काफी मान्यता दी है। बाद में उन्हें पैवलव द्वारा प्रयोगशाला में अध्ययन किए गए अनुबन्धन के नियम को भी महत्वपूर्ण माना उनका मत था कि अनुबंधन सीखने का एक महत्वपूर्ण नियम है तथा सभी तरह के सीखना को अनुबन्धन (conditioning) के रूप में ही व्यक्त की जा सकती है। परन्तु संबंध के नियम की सूची में वे थॉर्नडाइक के प्रभाव नियम (Law of Effect) को साम्मिलित नहीं किया। बल्कि वे इस नियम पर आपत्ति करते हुए कहा कि इसमें आत्मनिष्ठता (Subjectivism) शामिलित है जिसे एक व्यवहारवादी बर्दाश्त नहीं कर सकते।

(6) चयन का नियम (Principles of Selection) :- व्यवहारवाद के दो मुख्य उद्देश्यों में से एक है अनुक्रिया के बारे में पूर्वकथन करना यह उद्दीपक के चयनात्मक प्रक्रिया द्वारा सम्भव होता है। प्राणी को एक साथ कई तरह के उद्दीपक उत्तेजित करता है। लेकिन कुछ के प्रति अनुक्रिया करता है कुछ के प्रति नहीं। वाटसन का मत था कि प्राणी में उद्दीपक का चयन जन्मजात प्रवृत्तियां है। अनुक्रिया तथा उद्दीपक का चयन किया जन्मजात एवं अर्जित उद्दीपक - अनुक्रिया संबंधों तथा अनुबंधन के नियम के द्वारा इन संबंधों की तत्कालिक परिमार्जन पर निर्भर करता है।

Next class